उपकार

मित्रों आप अगर किसी के साथ भला करेंगे तो आपके साथ भी भलाई होगी। कभी भी किसी के बारे में बुरा नहीं सोचना चाहिए। हमेशा हर किसी की मदद करनी चाहिए। आज की कहानी इसी पर आधारित है।

दयाल सिंह सायकल से बाजार जा रहे थे। तभी उनकी नजर एक कुत्ते के बच्चे पर पड़ी, जो घायल अवस्था में पड़ा था और दर्द से कराह रहा था। उन्होंने उसे उठाया और घर लौट आए। उन्होंने उसकी दवा की और उनके प्रयास से कुत्ते का बच्चा स्वस्थ हो गया।

वह हमेशा दयाल के साथ ही रहता था। दयाल का एक बैग कही गिर गया था जिसमे उनके खेतों के पेपर थे। जिसकी वजह से दयाल बहुत परेशान थे, लेकिन उनका पालतू कुत्ता मोती कहीं नहीं दिख रहा था।

कुछ समय के उपरांत मोती एक बैग को घसीटकर लाया और दयाल के सामने रख दिया। **जिसमे उनके खेत के पेपर सुरक्षित थे**। मोती के प्रयास से अनेकों बार उनका नुकसान होने से बच गया था।

शेखर का प्रयास

3- मित्रों हमेशा जहां तक हो सके लोगों की मदद जरूर करनी चाहिए। हमें बचपन से ही यह आदत बनानी चाहिए। अगर आप किसी की **Help** करेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी होगी। आज की कहानी इसी पर आधारित है।

शेखर को फूलों और वृक्षों से बहुत लगाव था। जब वह तीन साल का था। उसने एक **गुड़हल का पौधा** लगाया था। आज वह पौधा एक छोटे वृक्ष का रूप ले चुका है और प्रायः फूलों से भरा रहता है। जिसे देखने पर शेखर को **आत्मसंतुष्टि** अनुभव होती है।

एक दिन एक बुढ़िया फूलों का हार बनाकर बाजार में बेचने के लिए ले जा रही थी। तभी उसकी टोकरी से फूलों का हार गिर गया बुढ़िया काफी दूर निकल गई थी।

शेखर खेल रहा था। उसकी नजर उस गिरे हुए फूलों के हार पर गई। वह उसे उठाकर दौड़ते हुए बुढ़िया के पास पहुंचाकर ही दम लिया और बुढ़िया को हानि से बचा लिया।